आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–02 अप्रैल 2026 **सान्ध्य समाचार**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत की तेजी से बदलती आकांक्षाओं के लिए एक ऐसे प्रशासनिक मॉडल की आवश्यकता है जो न केवल कुशल हो बल्कि नागरिक–केंद्रित भी हो। उन्होंने कर्मयोगी साधना सप्ताह को संबोधित करते हुए आज एक वीडियो संदेश में यह बात कही। वर्तमान शासन को 'नागरिक देवो भव' के मंत्र से निर्देशित बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि इसका स्पष्ट उद्देश्य सार्वजनिक सेवा को अधिक सक्षम, संवेदनशील और नागरिक–केंद्रित बनाना है।

आज गवर्नेंस के जिस सिद्धांत को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। उसका मूल मंत्र है, नागरिक देवो भवः। इस मंत्र में समाहित भावना के साथ आज पब्लिक सर्विस को ज्यादा कैपेबल नागरिकों के लिए ज्यादा सेंसिटिव बनाने पर फोकस किया जा रहा है। अब शासन को सिटिजन सेंट्रिक बनाकर एक नई पहचान दी जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी संस्थाओं की क्षमता में निहित होती है और उस क्षमता को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

21वीं सदी के इस कालखंड में तेजी से बदलती व्यवस्थाएं, तेजी से बदलती दुनिया और उनके बीच उसी रफ्तार से आगे बढ़ता हमारा भारत। इसके लिए पब्लिक सर्विस को समय के अनुरूप निरंतर अपडेट करना जरूरी है। कर्मयोगी साधना सप्ताह उसी प्रयास की एक अहम कड़ी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर अपने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार स्पष्ट नीति और साफ नीयत के साथ मिशन कर्मयोगी के विजन को साकार करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

क्षमता निर्माण आयोग अपने स्थापना दिवस और मिशन कर्मयोगी के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज से आठ अप्रैल तक 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' मना रहा है।

****

केन्द्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष और इसके कारण दुनियाभर में कच्चे तेल की आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच तीस जून तक महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर सीमा शुल्क में छूट दी है। एक रिपोर्ट–

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि यह उपाय घरेलू उद्योगों में आवश्यक पेट्रोकेमिकल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए अस्थायी रूप में लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इससे संबंधित क्षेत्रों पर लागत का दबाव कम होगा और आपूर्ति में स्थिरता आएगी तथा उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि कुल चालीस वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट दी गई है। इनमें मेथनॉल, अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमेथेन और विनाइल क्लोराइड मोनोमर शामिल हैं। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल गोरखपुर दौरे पर पहुंचे। उन्होंने गोरखपुर में कल और आज विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। एक रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री ने कल देर शाम गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास से जुड़े निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि दो तिहाई से अधिक भौतिक प्रगति वाली विकास परियोजनाओं में और तेजी लाते हुए उन्हें मानसून की दस्तक से पहले पूरा करा लिया जाए। अपने गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने आज सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में ही जनता दर्शन कार्यक्रम में करीब सौ लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री गोरखपुर के पिपराईच ब्लॉक के लुहसी गांव भी पहुंचे। वहां उन्होंने वरिष्ठ समाजसेवी मार्कंडेय यादव के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी। आकाशवाणी समाचार गोरखपुर से गिरीश नारायण चौबे।

****

आकाशवाणी लखनऊ आज अपना 89वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस उपलक्ष्य में लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी और आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन प्रमुख तौर पर शामिल हुए। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या और सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया है।

****

प्रदेश भर में आज हनुमान जयंती हर्षोल्लास के वातावरण में मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल मीडिया संदेश के जरिये हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर हनुमान जी से लोगों के जीवन से संकट को दूर कर सुख–शान्ति तथा बल–बुद्धि और आरोग्य का संचार करने की कामना की है। हनुमान जयंती पर रामनगरी अयोध्या में श्रीराम मंदिर परिसर के परकोटे में स्थित हनुमान मंदिर के शिखर पर आज भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, गाजीपुर, वाराणसी और जौनपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में हनुमान जयंती पर विविध कार्यक्रम और भण्डारे आयोजित किये जा रहे हैं।

****